शव गृह के बाहर किया पोस्टमॉर्टम

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 28 मई. राजधानी के सबसे बड़े सरकारी हमीदिया अस्पताल में संवेदनशीलता और नियमों को ताक पर रखकर मानवता को शर्मसार और बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. अस्पताल प्रबंधन की घोर लापरवाही के चलते शवगृह के अंदर होने वाली पोस्टमार्टम प्रक्रिया को खुलेआम स्ट्रेचर पर शव का पोस्टमॉर्टम कर दिया गया. इस दौरान वहां से गुजरने वाले मरीज, उनके परिजन और आम राहगीर इस खौफनाक और विचलित करने वाले मंजर को देखने पर मजबूर हो गए.

जब चीर-फाड़ के दौरान तेज बदबू फैली, तब जाकर वहां खड़े लोग बदहवास होकर दूर भागे. बता दें शव बजरिया थाना क्षेत्र से पुलिस द्वारा लाया गया था, जिसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी. संवेदनशीलता की हदें तो तब पार हो गईं जब शव को एम्बुलेंस से उतारकर शव गृह के अंदर ले जाने की जहमत तक नहीं उठाई गई.

डॉक्टरों ने बिना किसी परदे, ओट या शेड के मुख्य आम रास्ते पर ही स्ट्रेचर पर शव को रखकर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी. हालांकि डॉक्टरों ने जारी फोटो और वीडियो को किसी व्यक्ति के द्वारा जान बूझकर किया गया अमानवीय कृत्य बताया.

जिम्मेदारों का गैर-जिम्मेदाराना दावा

कुछ विशेष परिस्थितियों में जब अधिक डीकम्पोज बॉडी आती है तो पोस्टमॉर्टम से पहले शव गृह के बाहर बने शेड वाले हिस्से में शव को साफ किया जाता है. ये प्रक्रिया गाइडलाइन के अनुसार ही की जाती है. ये सालों से चलती आ रही है. पहले इस हिस्से में सामने एक दीवार होती थी, जो कंस्ट्रक्शन के कारण गिराई गई है. जिससे बाहर से अंदर की प्रक्रिया दिखाई देती है. इसकी गोपनीयता के लिये हम पर्दे का उपयोग करते हैं, लेकिन किसी ने गलत तरीके से वीडियो और फोटो लिया है. ऐसी किसी भी प्रक्रिया में पूरी तरह से मानवीय अधिकारों और व्यक्तिगत सम्मान का पालन किया जाता है.

डॉ आशीष जैन, विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक विभाग

क्या कहता है पोस्टमॉर्टम का नियम

- पोस्टमॉर्टम की पूरी प्रक्रिया केवल शव गृह के भीतर बने अधिकृत और सुरक्षित डिसेक्शन हॉल (चीर-फाड़ कक्ष) में की जानी चाहिए.
- किसी भी परिस्थिति में शव को खुले में, आम रास्ते पर या जनता की नजरों के सामने नहीं रखा जा सकता. ऐसा करना मानवाधिकारों का उल्लंघन माना जाता है.
- पोस्टमॉर्टम कक्ष पूरी तरह हवादार होना चाहिए, लेकिन वहां किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश या देखना पूरी तरह प्रतिबंधित होता है.
- शव की गोपनीयता बनाए रखने के लिए चारों तरफ से पूरी घेराबंदी या परदे का होना अनिवार्य है, ताकि मृतक की गरिमा को कोई ठेस न पहुंचे.
- अज्ञात शव होने पर भी उसके साथ वही मानवीय सम्मान बरता जाना चाहिए, जो किसी आम नागरिक के लिए तय नियमों में शामिल है

डॉक्टरों पर हिंसा रोकने कानून की मांग

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मप्र ने राज्य मंत्री को सौंपा 'सेफ्टी फर्स्ट' मॉडल

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 28 मई. प्रदेश के अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ लगातार बढ़ती हिंसा और असुरक्षा के माहौल को देखते हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क मध्य प्रदेश ने एक बड़ा कदम उठाया है.

डॉक्टरों पर हो रहे हमलों को रोकने और उन्हें सुरक्षित कार्य वातावरण देने के लिए संगठन ने एक विशेष सुरक्षा मॉडल तैयार किया है. इस राष्ट्रव्यापी सेफ्टी फर्स्ट कैंपेन मॉडल की विस्तृत जानकारी और मांग पत्र एशोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल को सौंपा. बता दें चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टरों के खिलाफ बढ़ती हिंसा, मानसिक दबाव और बुनियादी सुरक्षा संसाधनों की भारी कमी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इस मॉडल को तैयार किया गया है. अभियान के तहत मुख्य रूप से मांग की गई है कि अस्पतालों में डॉक्टरों पर हाथ उठाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनों को कड़ाई से लागू किया जाए.

एसोसिएशन के जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क मध्य प्रदेश के महासचिव डॉ. कुलदीप गुप्ता ने राज्य मंत्री से आग्रह किया है, कि चिकित्सा संस्थानों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए. उन्होंने कहा कि जब तक डॉक्टरों के लिए अस्पताल सुरक्षा नीति को और अधिक मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक डॉक्टर निर्भय होकर मरीजों की सेवा नहीं कर पाएंगे.

सुरक्षा मॉडल के मुख्य बिंदु

- अस्पतालों में मजबूत सुरक्षा बल की तैनाती और हर कोने में सीसीटीवी निगरानी प्रणाली.
- डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए चौबीसों घंटे सुरक्षित कार्य वातावरण.
- डॉक्टरों से मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन.
- आपातकालीन परिस्थितियों में तनाव से निपटने के लिए विशेष आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण.
- मरीज के परिजनों और डॉक्टरों के बीच संवादहीनता को दूर करने के लिए सकारात्मक संवाद केंद्र.
- स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को बढ़ावा देना.

मंत्री ने दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

जूनियर डॉक्टरों की इस गंभीर चिंता और सुरक्षा मॉडल की सराहना करते हुए राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं. उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना सरकार और समाज दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है. मंत्री ने जनस्वास्थ्य जागरूकता और अस्पतालों में सुरक्षित वातावरण तैयार करने के लिए सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग और कड़े कदम उठाने का भरोसा दिया है.

भोपाल नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण टीम को गुमराह किया : विवेक त्रिपाठी

विशेष संवाददाता
भोपाल, 28 मई. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने भोपाल नगर निगम पर 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26' के दौरान शहर की वास्तविक स्वच्छता व्यवस्था छिपाने का आरोप लगाया है. उन्होंने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहरलाल खट्टर को पत्र लिखकर कहा कि नगर निगम वास्तविक सफाई व्यवस्था सुधारने के बजाय केवल दिखावटी सौंदर्यीकरण पर ध्यान दे रहा है.

विवेक त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सर्वेक्षण टीम को प्रभावित करने के लिए लाखों रुपये रंगरोगन और सजावट पर खर्च किए जा रहे हैं, जबकि बुनियादी स्वच्छता सुविधाओं की हालत खराब बनी हुई है. उन्होंने अरेरा कॉलोनी स्थित 10 नंबर मार्केट के सुलभ शौचालय का उदाहरण देते हुए कहा कि बाहर से रंगाई-पुताई कर उसे आकर्षक बनाया गया, लेकिन अंदर टूटी पाइपलाइन, दुर्गंध और गंदगी का अंबार है. कांग्रेस ने सार्वजनिक शौचालयों के स्वतंत्र निरीक्षण, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, पेयजल व्यवस्था की जांच और स्वच्छ सर्वेक्षण में निष्पक्ष मूल्यांकन की मांग की है.

सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले बने भक्षक

- बारात से लौटे युवकों की पिटाई का आरोप
- डॉयल 112 कर्मचारियों पर लगा आरोप

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 28 मई. शहरवासियों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाली डायल 112 पुलिस टीम की बर्बरता का एक गंभीर मामला सामने आया है. कोलार के कजलीखेड़ा इलाके में आदिवासी समाज के युवकों के साथ सरेआम पुलिस की तरफ मारपीट का आरोप लगाया गया. हालांकि इस मामले में कजलीखेड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू कर दी गई है.

जानकारी के मुताबिक आदिवासी समाज के लोग गुरूवार को देर रात करीब 4 बजे सीहोर जिले के रेटी गांव से बारात लेकर लौट रहे थे. बारात की गाड़ी जब कोलार डी-मार्ट के पास पहुंची. इस दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने बिना किसी वैध कारण के गाड़ी को रुकवाया और लाठियों से हमला कर दिया.

घटना के समय बारात की गाड़ी में नवविवाहित दूल्हा-दुल्हन, महिलाएं और बच्चे भी सवार थे. आरोप है कि बारात में शामिल लोगों ने जब अपनी गलती पूछी. तब इस दौरान मौके पर मौजूद आरक्षक जितेंद्र गुर्जर आक्रामक हो गया. आरक्षक ने गुस्से में युवकों को लाठियों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया और गालियां भी दीं.

पुलिस के इस रवैये से बारात में शामिल महिलाएं और बच्चे भी सहम गए. मामले में अब पीड़ित पक्ष ने पुलिस के अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई. आरोप है कि आरक्षक जितेन्द्र ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में धुत थे. डायल 112 पर तैनात कर्मचारी जितेंद्र के साथ वाहन चालक विजय मेहरा पर भी शराब के नशे में होने का आरोप है.

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए चूनाभट्टी के सहायक पुलिस आयुक्त के निर्देश पर विभागीय जांच भी कराई गई. जांच में पीड़ितों के साथ हुई मारपीट और दुर्व्यवहार को सही पाया गया है. मामले की पुष्टि होने के बाद कजलीखेड़ा थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

राजाभोज एयरपोर्ट पर गेटसाइड कैफे का शुभारंभ

नवभारत संवाददाता
भोपाल, 28 मई. राजधानी भोपाल के गांधीनगर स्थित राजा भोज हवाई अड्डे पर गेटसाइड कैफे का शुभारंभ किया गया. जिसका उद्घाटन हवाई अड्डे के निदेशक रामजी अवस्थी और सीआईएसएफ के कमांडेंट अतुल भानोत्रा ने किया. इस गेटसाइड कैफे शुभारंभ से यात्रियों को शुद्ध गुणवत्तापूर्व खाद्य एवं पेय पदार्थ मिल सके. गर्मी के मौसम ठंडे पेय पदार्थों की मांग अधिक रहती है.

आईपीएस कंचन की बेटी के पास था मोबाइल, पुलिस कर रही जांच

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 28 मई. पीएचक्यू में पदस्थ आईपीएस संजीव कंचन की बेटी के आत्महत्या के मामले में हबीबगंज थाना पुलिस की जांच जारी है. कंचन की 17 साल की बेटी 12 वीं कक्षा की छात्रा थी और रातीबड़ में संचालित स्कूल में पढ़ाई करती थी.

मंगलवार को चार इमली स्थित अधिकारी के सरकारी आवास में कंचन की बेटी का शव फंदे पर देखा गया. आईपीएस कंचन की पत्नी रेणुका कंचन भोपाल गैस राहत में जज हैं. उन्होंने बेटी के मोबाइल को लेकर जानकारी पुलिस से साझा की है. पुलिस इस मामले में जांच कर रही है.

जानकारी के मुताबिक बेटी की मौत को लेकर रेणुका कंचन ने बताया है कि बेटी ने एक मोबाइल फोन दिलाने की मांग की थी. इस पर उसे समझाया गया था. बेटी को मोबाइल नहीं दिलाने के बावजूद भी उसके पास एक मोबाइल देखा गया और उससे पूछा गया था. इस बात से बेटी नाराज हुई थी. पुलिस अब इस पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही है. बताया गया कि कंचन की बेटी ने जब आत्महत्या की थी. उस दौरान माता-पिता अपने ड्यूटी पर थे. पुलिस मौके पर मिले छात्रा के मोबाइल की जांच कर रही है.

धोखाधड़ी से जमीन बेचने वाली गैंग का पर्दाफाश

- पुलिस ने आरोपी महिला को किया गिरफ्तार

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 28 मई. रातीबड़ थाना पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर नकली को असली बताकर धोखाधडी से जमीन बेचने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है. 18 साल पहले मृत हो चुकी महिला के नाम से दस्तावेज बनाकर जमीन बेचने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. मृतिका के नाम से दस्तावेज तैयार कर करीब 1.5 एकड भूमि को आरोपी महिला ने बेचा था. नकली दस्तावेज तैयार कर धोखाधडी करने वाली गैंग में शामिल अन्य सदस्यो के संबध में पुलिस जांच कर रही है.

पुलिस के मुताबिक फरियादी ब्रजेश शर्मा ने बुधवार को मामले की शिकायत दर्ज कराई. ब्रजेश ने पुलिस को बताया कि उनकी नानी कमला बाई की वर्ष 2008 में मृत्यु होने के बाद उनके स्थान पर किसी अज्ञात महिला कमला बाई द्वारा प्रस्तुत होकर उनकी भूमि का विक्रय पत्र बना कर धोखाधडी की. पुलिस की शुरूआती जांच में भी मामला संदिग्ध दिखा.

जांच में फरियादी के बयान के आधार पर उनकी नानी कमला बाई की मृत्यु 5.10.2008 को देखा गया. उनकी नानी की उम्र 76 वर्ष थी, नानी कमला बाई की मृत्यु के बाद 4.12.2025 को किसी अज्ञात महिला कमला बाई द्वारा, रजिस्ट्रार कार्यालय में अपने आप को कमला बाई के रूप में प्रस्तुत होकर ग्राम सरवर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 19, रकबा 0.5139 हेक्टेयर भूमि को क्रेता निलेश मालवीय व चंद्रशेखर बघेल को विक्रय कर रजिस्ट्री कराई गई.

जांच में पाया गया कि अज्ञात महिला कमला बाई और अन्य के द्वारा धोखाधडी पूर्वक, कूटरचित दस्तावेजो का उपयोग कर, छल के प्रयोजन से कूटरचना कर उक्त दस्तावेज को असली के रूप में प्रयोग किया. इसके साथ ही महिला ने अपने आप को कमला बाई के रूप में प्रस्तुत कर भूमि की रजिस्ट्री अन्य को करा दिया. अज्ञात महिला कमला बाई और उसके साथियों की तलाश में जुटी.

जनगणना प्रथम चरण

मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य पूर्ण

- 7 लाख 38 हजार मकानों की हुई गणना
- 03 हजार 285 गणना ब्लाकों में कार्य पूर्ण

भोपाल, 28 मई. जनगणना के प्रथम चरण में नगर निगम के द्वारा शहर के मकानों का सूचीकरण और गणना का कार्य किया जा रहा था जो गुरुवार को पूर्ण किया जा चुका है. इसके अंतर्गत निगम सीमा में आने वाले 7 लाख 38 हजार मकानों की गणना का कार्य किया गया, साथ ही 3 हजार 285 जनगणना ब्लाकों में मकानों का सूचीकरण कार्य किया जा चुका है. निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन द्वारा भी समय-समय पर जनगणना मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण एवं समीक्षा की गई. समीक्षा के दौरान आयुक्त द्वारा सभी चार्ज क्षेत्रों के समस्त पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वह प्रतिदिन अपने अधीनस्थ मकान सूचीकरण ब्लॉक को चेक करें और निर्धारित प्रारूप में ओके रिपोर्ट भी दें.

3.5 लाख मीट्रिक टन था लक्ष्य 3 लाख 44 हजार हुई खरीदी

- अंतिम दिन देर रात तक चलती रही खरीदी

नवभारत संवाददाता
भोपाल, 28 मई. जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी आखिरी दिन 28 मई गुरुवार को जारी रही, जो देर रात 12 बजे तक चलती रही. सरकार ने पिछले साल लगभग 3.26 लाख मीट्रिक टन की गेहूं की खरीदी की थी. वहीं इस वर्ष 27 मई तक 3 लाख 44 हजार 405 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी हो चुकी है.

जिला खाद्य प्रशासन की तरफ से 28 मई तक खरीदी की जानकारी शुक्रवार को आएगी. चालू वित्तीय वर्ष में प्रशासन ने 3.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी का लक्ष्य रखा था, जो संभवत: पूरा होने की संभावना है. अंतिम दिन उपार्जन केंद्रों पर बड़ी संख्या में किसान पहुंचे. सभी ने स्लॉट के हिसाब से गेहूं की तुलाई कराकर विक्रय किया जा रहा है. जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि पिछले साल का समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का लक्ष्य पूरा कर लिया है. जिले के 37407 किसानों ने गेहूं विक्रय का लिए पंजीयन कराया था. इनमें से 34095 किसान विक्रय कर चुके हैं. गुरुवार को गेंहू तुलाई के लिए अंतिम दिन था.

महापौर ने केरवा जलशोधन संयंत्र का किया निरीक्षण

गर्मी के मौसम में नागरिकों के लिए पानी की सप्लाई सुनिश्चित करें : महापौर

नवभारत संवाददाता
भोपाल, 28 मई. केरवा जल शोधन संयंत्र का गुरुवार को महापौर मालती राय ने निरीक्षण किया. यह निरीक्षण गर्मी के मौसम में जनता को पेयजल की आपूर्ति निरंतर होती रहे और शुद्ध व स्वच्छ पानी मिलता रहे के उद्देश्य से किया है. केरवा में महापौर मालती राय ने विभिन्न यूनिटों का निरीक्षण किया और पानी की शुद्धता और स्वच्छता प्रक्रिया की समीक्षा की.

निरीक्षण के दौरान महापौर राय ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शहर में पानी सप्लाई के सभी जल स्त्रोतों में पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध है गर्मी के मौसम में व्यवस्थित ढंग से नागरिकों के लिए पर्याप्त पानी पूर्ति जारी रहे. निरीक्षण के दौरान महापौर राय ने जलशोधन की संपूर्ण प्रक्रिया का अवलोकन किया. निरीक्षण के दौरान महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग, कार्यपालन यंत्री अजय मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

महापौर राय ने बताया कि शुद्ध पेयजल नागरिकों के घर तक पहुंचाने में निगम प्रशासन को औसतन 710 रुपए प्रति परिवार खर्च वहन करना पड़ता है इसके विपरीत निगम प्रशासन जनता से जलकर के रूप में 210 रुपए प्रति परिवार ले रहा है.

जल परीक्षण प्रयोगशाला का किया अवलोकन

महापौर ने जल परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया और यहां कच्चे पानी एवं उपचारित पानी का पीएच मान, टीडीएस, टरबीडिटी आदि की जांच प्रक्रिया का अवलोकन भी किया. महापौर ने निर्देशित किया कि शहर के नागरिकों को शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराने समुचित दबाव से जलापूर्ति की जाए.

सजगता | हलालपुर सहित जिले में लगभग 40 दुकानें और गोदाम हैं

पटाखों की दुकानों और गोदामों को किया जाएगा शिफ्ट

नवभारत सवांददाता
भोपाल, 28 मई. राजधानी में पटाखों की दुकानों और गोदामों को शिफ्ट करने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दी है. इसके लिए जिले की अधिकतर दुकानों जांच हो चुकी है. इन्हें शिफ्ट करने के लिए आबादी क्षेत्र से दूर जगह देने की तैयारी चल रही है.

तीस साल पहले अधिकतर दुकानें और गोदाम पुराने शहर में संचालित हो रही थीं. यहां पर बसाहट अधिक होने हलालपुर शिफ्ट किया गया था अब इतने वर्षों में यह सभी गोदाम और दुकानें एक बार फिर से आबादी से घिर गई हैं. वहीं इन क्षेत्रों के आसपास गैस गोदाम और पेट्रोल पंप भी संचालित हो रहे हैं. जिससे यहां पर पटाखों के गोदाम और दुकानों से दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है. भविष्य में कोई विस्फोटक हादसा ना हो उसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह कार्रवाई करने जा रहा है.

बैरागढ़ और कोलार की होगी शिफ्ट

जानकारी के अनुसार पटाखों की दुकान व गोदाम जो आबादी से घिरी हुई हैं. उनमें बैरागढ़ और कोलार की सभी दुकान गोदाम हैं. प्रशासन सुरक्षा की दृष्टि से इन्हें शिफ्ट करने की तैयारी में है. हूजूर और बैरसिया की दुकानें ग्रामीण क्षेत्र में हैं तो वहां पर आबादी वाली समस्या नहीं है.

कहां कितनी दुकानें और गोदाम

- बैरागढ़ वृत्त में 15 दुकान और 5 गोदाम
- बैरसिया तहसील में 8 दुकानें जिसमें एक बंद
- हुजूर तहसील के जमुनिया में 12 गोदाम
- कोलार तहसील में 1 दुकान व 1 गोदाम

दो नाबालिग सगी बहनों को पुलिस ने तलाश कर परिजनों के किया हवाले

भोपाल. शाहपुरा थाना पुलिस ने घर से गायब हुई दो नाबालिग सगी बहनों तलाशा. पुलिस ने लड़कियों को सकुशल परिजनों के हवाले भी किया. पुलिस के मुताबिक बुधवार को 40 साल के दानापानी रहवासी फरियादी ने थाने में सूचना दी. फरियादी ने पुलिस को बताया कि उनकी 16 और 17 साल को दो बेटियां दोपहर के समय आईस्क्रीम लेने का बोल कर गई थी. लडकियां लंबा समय होने के बाद भी जब घर नहीं पहुंची. तो परिजन परेशान हुए और थाने में सूचना दी. मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने लडकियों की तलाश शुरू की.

हत्या का प्रयास करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने जब्त किया हथियार

नवभारत रिपोर्टर
भोपाल, 28 मई. गौतम नगर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के दो मुख्य आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया. पुलिस ने मौके पर मिले अवैध हथियार को भी जब्त कर लिया है.

पुलिस के मुताबिक फरियादी शाहरूख पठान (28) निवासी बीडीए कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई. शाहरूख ने पुलिस को बताया कि वह शराब खरीदने डीआईजी वाईन शॉप पर गया था. वहीं पर आरोपी मुजीब, इसरार एवं इसरार का भाई आए और फरियादी के साथ गाली गलौच की. विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने फरियादी से मारपीट की. आरोपी इसरार ने बड़ी छुरी से फरियादी की हत्या करने की नीयत से गर्दन पर वार किया, जिससे फरियादी को गर्दन और गाल पर चोटें आईं. फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार्रवाई की. इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई. आरोपीगण मुजीब अली (43), इसरार खांन (30) और निवासी काजी कैम्प को गिरफ्तार किया गया. आरोपियों से घटना के समय पहने हुए कपड़े और घटना में प्रयुक्त छुरी बरामद की गई.